779

अशोक

चन्द्रगुप्त विद्यालंकार

CS CamScanner

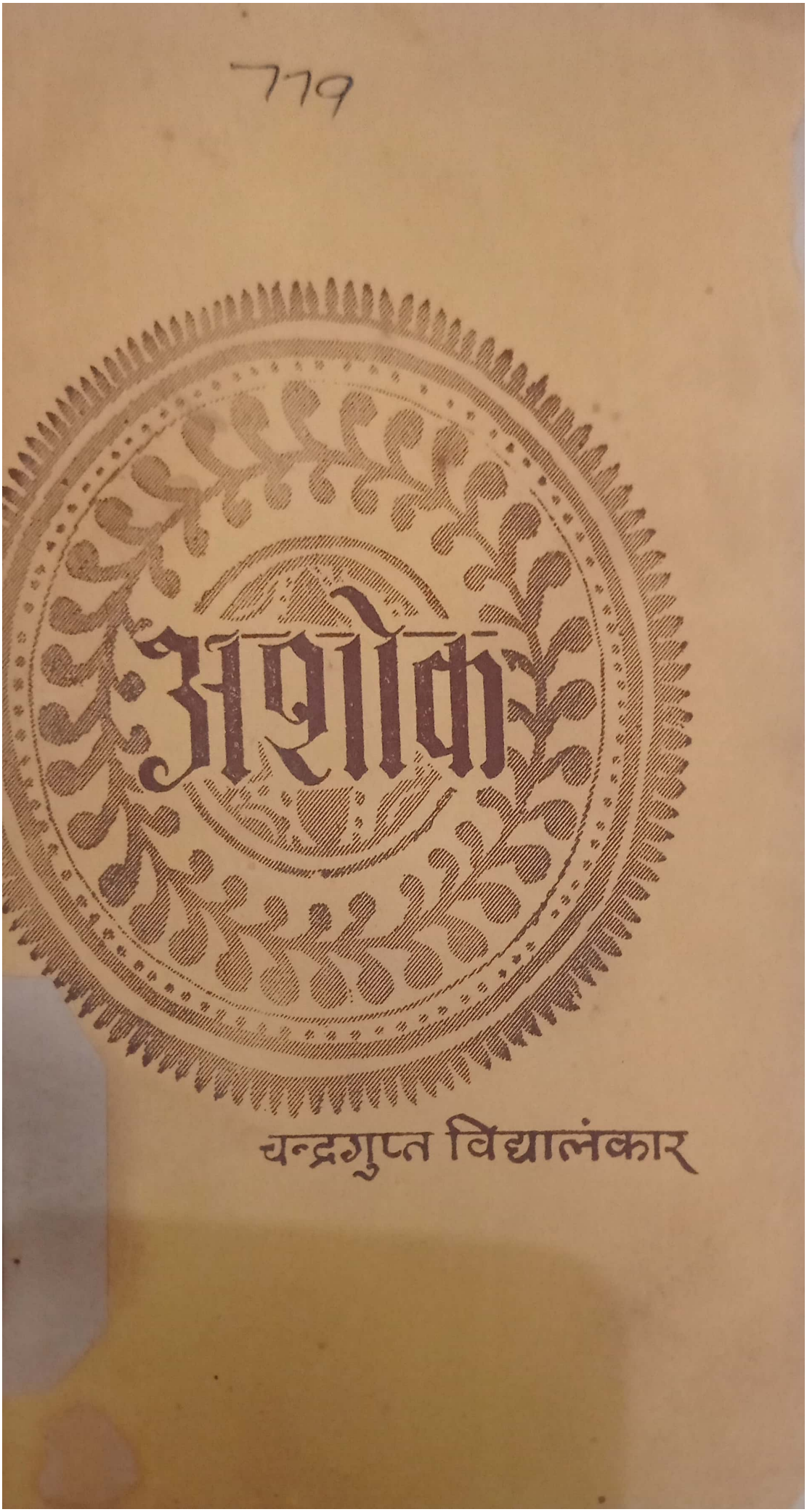

नाटक के पात्र

पुरुष

बिन्दुसार—भारत-सम्राट् (अशोक के पिता)

सुमन—युवराज (बिन्दुसार के बड़े पुत्र)

अशोक—भारत-सम्राट् (बिन्दुसार के मंझले पुत्र)

तिष्य—बिन्दुसार के छोटे पुत्र

आचार्य उपगुप्त—अशोक के गुरु (बौद्धधर्म के सबसे बड़े नेता)

चण्डगिरि—पहले क्षत्रप, फिर सेनापति

मौखरी—पहले सहायक सेनापति, फिर सेनापति

दीपवर्धन—शीला के पिता

कुणाल, महेन्द्र } अशोक के पुत्र

स्त्री

शीला—युवराज सुमन की वाग्दत्ता वधू

तिषी(तिष्यरक्षिता)—अशोक की पत्नी (सम्राज्ञी)

चित्रा—अशोक की बहिन

संघमित्रा—अशोक की पुत्री

विजया—एक सैनिक की पत्नी

स्थान

पाटलिपुत्र—भारत-साम्राज्य की राजधानी

तक्षशिला—सीमाप्रान्त की राजधानी

तुशाली—कलिंग की राजधानी

वैशाली—मगध-साम्राज्य का प्रमुख नगर